



॥ श्री महावीराय नमः ॥

॥ श्री वीतरागाय नमः ॥

॥ नमो नासत्स ॥

Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh-Mumbai Conducted

MATUSHREE MANIBEN MANSI BHIMSHI CHHADVA DHARMIK SHIKSHAN BOARD - MUMBAI

धार्मिक शिक्षण बोर्ड

Website : jaineducationboard.org

E-mail : jainshikshanboard@gmail.com

१७ जुलाई २०२२ - जैनशाणा पेपर - गुण : १०० - समय : २ से ५

श्रेणी-३

Student Name		Roll No.	
Date of Birth		Mobile No.	
Sangh Name		Supervisor Name	
Jainshala Name		Supervisor's Signature	

Marks

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	Total

प्रश्न १) (क) पाठ पूर्ति करो.

(२०)

- १) अकरणयाअे _____ अप्प मज्जणाअे.
- २) पंचहिं कामगुणेहिं _____ फासेणं.
- ३) जावंति _____ पडिग्गहधरा.
- ४) वणकम्मे _____ केसवाणिज्जे.
- ५) मायाअे _____ आसायणाअे.

(ख) योग्य शब्द ने (✓) करो.

(०५)

- १) पांचमा श्रमणसूत्रनुं नाम शुं छे ? (प्रतिज्ञा सूत्र / शय्यासूत्र)
- २) मान शब्द कया पाठमां आवे छे ? (संधारा / अढार पापस्थानक सूत्र)
- ३) शिक्षाव्रत केटला छे ? (४ / ३)
- ४) प्रतिक्रमणनां पहेला पाठनुं नाम शुं छे ? (गुरुवंदना / आज्ञासूत्र)
- ५) ज्ञानना अतिचार केटला छै ? (१० / १४)

प्रश्न २) (क) अयोग्य शब्दने गोळ (Circle) करो.

(०२)

- १) धूपविहिं, पेज्जविहिं, वणकम्मे, भक्खणविहिं
- २) गर्व, भय, निद्रा, रोष
- ३) जंवाईघ्घं, बंधे, वहे, छविच्छेअे
- ४) जंखडियं, तेनाहडे, फोडीकम्मे, पयहीणं

(ख) जोडका जोडो.

(०५)

- | | | |
|-----------------|--------------------------|-----------------------------|
| १) ऊस्सुतो | <input type="checkbox"/> | १) अतिचार |
| २) कोहाअे | <input type="checkbox"/> | २) रोग रहित |
| ३) मरुय | <input type="checkbox"/> | ३) श्रावक धर्मनुं |
| ४) सावग धम्मस्स | <input type="checkbox"/> | ४) क्रोधथी करेली |
| ५) अईयारो | <input type="checkbox"/> | ५) सूत्र विरुद्ध कर्युं होय |

प्रश्न ३) (क) नीचेना शब्दमांथी गुजराती लखो:

(०५)

(पद ओछुं भणायुं होय, चोरने मदद करी होय, दान आपी अहंकार कर्यो होय, संदेह पडया छतां आगळ वधायुं होय, अचेत वस्तुने सचेत वस्तुथी ढांकी होय.)

१) सइ अंतरद्वाअे

२) मच्छरियाअे

३) तेन्नाहडे

४) पयहीणं

५) सचित पेहणया.

प्रश्न ३ (ख) नीचेना शब्द नुं अर्धमागधी लखो:

(०८)

(खमासमणाणं, मोहरिअे, वयदुप्पणिहाणे, अणायारो, पासं, आईगराणं, निंदामि, ऊडुअेणं)

१) ओडकार आववाथी

२) ते पापोने आत्मसाक्षीअे निंदुं छुं

३) सामायिकमां वचन मातुं प्रवर्ताव्युं (होय)

४) जेमतेम निरर्थक बोलवुं / अप्रिल फूल बनाववा

५) क्षमावंत साधुजीओनी

६) धर्मनी आदि करनारा

७) श्री पार्श्वनाथने

८) आचरवा योग्य नहिं

प्रश्न ३ (ग) सामायिक ना ३२ दोषमांथी लखो :

(०३)

१) मननो पहेलो, छेल्लो दोष.

२) वचननो पहेलो, छेल्लो दोष.

३) कायानो पहेलो, छेल्लो दोष.

प्रश्न ४) खाली जग्या पूरो:

(०७)

१) व्रतोमां लागवावाळा दोषोने कहे छे. (अनाचार / अतिचार)

२) प्रतिक्रमण नुं बीजुं नाम छे. (आवश्यक सूत्र / नवकार मंत्र)

३) प्रतिक्रमण नो सार बतावतो पाठ छे. (ईच्छामि ठामि / ईच्छामिणं भंते)

४) पापोनो सर्वथा त्याग करवो तेने कहे छे. (तप / चारित्र)

५) ईच्छामि खमासमणो आसने बेसीने बोलाय छे. (ऊकडुं / पद्मासन)

६) अयोग्य पापकारी आचरण करवुं ते छे. (अकरणीय / अकल्पनीय)

७) जे अणुव्रतो नां गुण वधारो करनार छे. तेवा व्रतने कहे छे. (गुणव्रत/महाव्रत)

प्रश्न ५) (क) नीचेना जबाब अंकमां लखो:

(०५)

- १) देवताना कुळ क्रोड केटला छे ?
- २) पतंगीया ने केटली ईन्द्रिय होय ?
- ३) बेईन्द्रिय नुं उत्कृष्ट आयुष्य केटला वर्षनुं ?
- ४) गर्भज मनुष्यना कुल भेद केटला छे ?
- ५) तेईन्द्रियनां कुळ केटला छे ?

प्रश्न ६) (क) जोडकां जोडो.

(०५)

- | | | |
|-----------------|--------------------------|------------------------|
| १) मच्छर | <input type="checkbox"/> | १) मनुष्य |
| २) मधा | <input type="checkbox"/> | २) स्थळचर |
| ३) जळचर | <input type="checkbox"/> | ३) साधारण वनस्पतिकाय |
| ४) देवता | <input type="checkbox"/> | ४) प्रत्येक वनस्पतिकाय |
| ५) पोरा | <input type="checkbox"/> | ५) त्रसकाय |
| ६) जंगमकाय | <input type="checkbox"/> | ६) चौरेन्द्रिय |
| ७) ५६ अंतरद्वीप | <input type="checkbox"/> | ७) तिर्यच |
| ८) गुलाब | <input type="checkbox"/> | ८) भवनपति |
| ९) गाजर | <input type="checkbox"/> | ९) बेईन्द्रिय |
| १०) हाथी | <input type="checkbox"/> | १०) नरक |

प्रश्न ६) (ख) अेक शब्दमां जबाब लखो.

(१०)

- १) लोभ अने माया बन्ने शुं छे ?
- २) हुं शरीर थी जुदो छुं तो हुं कोण ?
- ३) जैनधर्म अे केवो धर्म छे ?
- ४) हुं भूजा अे चालू छुं ?
- ५) भोजनमां उपर काचुं मीठुं लेवुं नहिं, तो कोनी दया पाळी कहेवाय ?
- ६) भगवान महावीरनुं निर्वाण क्यारे थयुं ? तिथि लखो
- ७) वैमानिक अे मारो भेद छे.
- ८) बादर तेउकाय फक्त क्यां होय ?
- ९) पृथ्वीकाय नुं संस्थान (आकार) केवो छे ?
- १०) मोर, कबूतर, चकला वगैरे मारा भेद छे ?

प्रश्न ६) (ग) साचुं छे के खोटुं ते लखो.

(०५)

- १) मारो स्वभाव ज्ञान अने दर्शन छे.
- २) कंदमूळ खावाथी सदगतिमां जवाय छे.
- ३) वरसीतप पारणा (अखात्रीज अटले) वैशाख सुद त्रीजनां दिवसे थाय छे.
- ४) जेनाथी संसार वधे छे ते कषाय
- ५) प्रत्येक वनस्पतिना ऊगता, कुणां अंकुरामां चक्र पडे.

प्रश्न ७) (क) नीचेना प्रश्न नो जबाब अेक शब्दमां लखो.

(०४)

- १) श्रीकृष्ण वासुदेव ना सौथी नाना भाई नुं नाम?
- २) उग्रसेन राजानी कुंवरी नुं नाम.
- ३) आनंद श्रावक पासे केटली गायो नां गोकुळ हतां ?
- ४) गजसुकुमाल आयुष्य पूर्ण करी क्यां गया ?

(ख) खाली जग्या पूरो.

(०४)

- १) आनंद श्रावक ५०० योजन सुधी अने नीचे पहेली नरकना
नरकावास सुधी जोई शकता हता.
- २) गजसुकुमाल स्मशानमां आव्या.
- ३) नेमकुमार वर्ष सुधी वरसीदान आपे छे.

(ग) जोडका जोडो.

(०२)

- | | | |
|--------------------|--------------------------|----------------------|
| १) २२ मां तीर्थकार | <input type="checkbox"/> | १) बळदेव |
| २) द्वारिका | <input type="checkbox"/> | २) पहेला देवलोक |
| ३) रोहिणी | <input type="checkbox"/> | ३) श्रीकृष्ण वासुदेव |
| ४) आनंदश्रावक | <input type="checkbox"/> | ४) श्री नेमनाथ भगवान |

प्रश्न ८) काव्य पूर्ति करो.

(१०)

- १) हं क्रोध अग्निथी बळ्यो,.....
.....
....., हं केम करी ध्यावुं तने ?
- २) रात्रि गुमावी सूईने,
.....
....., कोडी बदले जाय.
- ३) शुभ थाओ आ सकळ विश्वनुं,
.....
....., हैयुं मारुं नृत्य करे.
- ४) पथ्थर थकी पण,
.....
....., हं तो प्रभु हार्यो हवे.
- ५) नवकार मंत्र विनाश कीधो,
.....
....., आगमोनी वाणीने.